भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 5377
गुरुवार, 3 अप्रैल, 2025/13 चैत्र, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

'उड़ान' योजना के अंतर्गत क्षेत्रीय हवाई संपर्क

5377. श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंतः
डॉ. अमर सिंहः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2024-25 में 'उड़ान' योजना के अंतर्गत कितने नए क्षेत्रीय विमानपत्तन और हवाई मार्ग चालू किए जाएंगे;

(ख) क्षेत्रीय हवाई संपर्क में सुधार के लिए विमान कंपनियों और विमानपत्तन संचालकों को कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गई; और

(ग) उड़ान मार्गों की दीर्घकालिक वित्तीय व्यवहार्यता सुनिश्चित करने में सरकार के समक्ष क्या चुनौतियां हैं और उन्हें दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): क्षेत्रीय संपर्क योजना-उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) के अंतर्गत वर्ष 2024-25 के दौरान 04 हवाईअड्डों, 02 हेलीपोर्टों और 66 आरसीएस मार्गों को प्रचालनरत कर दिया गया है।

'उड़ान योजना' के अंतर्गत क्षेत्रीय हवाई संपर्क की परिकल्पना की गई है, जिसके तहत केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों और हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा रियायतों के माध्यम से चयनित एयरलाइन प्रचालकों (एसएओ) को समर्थन दिया जाएगा, ताकि क्षेत्रीय मार्गों पर परिचालन की लागत को कम किया जा सके और इस अंतर को पूरा करने के लिए वित्तीय (व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण या वीजीएफ) सहायता प्रदान की जा सके।

उड़ान मार्गों के क्रियान्वयन में आने वाली चुनौतियों में मांग में उतार-चढ़ाव, उच्च परिचालन लागत, मौसम संबंधी व्यवधान, हवाईअड्डा स्लॉट की कमी, यात्रियों की कम मांग और एयरलाइन समेकन शामिल हैं। मार्गों की दीर्घकालिक संधारणीयता में सुधार लाने तथा इन मुद्दों के समाधान के लिए सरकार एयरलाइनों को व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) उपलब्ध कराती है, क्षेत्रीय हवाईअड्डों के उन्नयन में सहायता करती है तथा प्रचालनिक लचीलेपन को प्रोत्साहित करती है। इसके अलावा, एयरलाइन विफलता जैसे विभिन्न कारणों से पिछले दौर में रद्द किए

गए पात्र मार्गों के लिए भी पुनः बोली लगाई गई, उन्हें अवार्ड किया गया और अनुवर्ती दौर में प्रचालनरत किया गया।

******